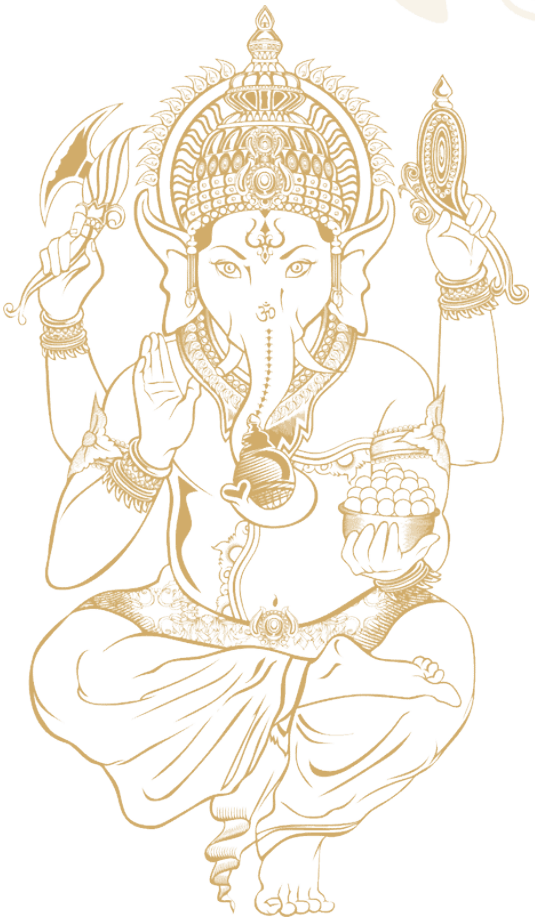

16 Jun 1993

12:46 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121270405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/06/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:46:36 घंटे**
इष्ट	19:19:25 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:50:08 घंटे
वेलान्तर	-00:00:37 घंटे
साम्पातिक काल	06:28:25 घंटे
सूर्योदय	05:02:50 घंटे
सूर्यास्त	18:51:27 घंटे
दिनमान	13:48:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:23:13 मिथुन
लग्न के अंश	12:35:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:35:04	322:32:01	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मिथु	01:23:13	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	16:24:34	12:20:11	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			सिंह	02:13:05	00:34:01	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	26:01:14	01:02:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	स्वराशि
गुरु			कन्या	11:19:55	00:02:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	15:44:26	00:59:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि	व		कुंभ	06:31:39	00:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:24:21	00:01:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:24:21	00:01:22	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	27:26:48	00:02:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	26:39:54	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो	व		तुला	29:31:43	00:01:21	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	12:45:20	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:12

लग्न-चलित

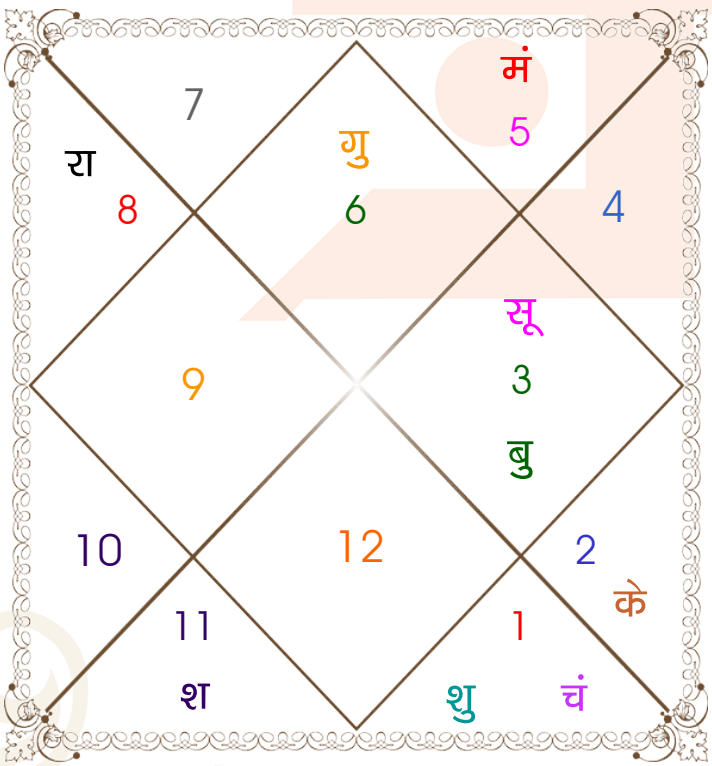

चन्द्र कुंडली

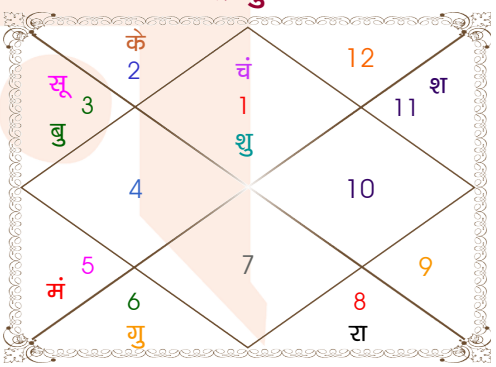

नवमांश कुंडली

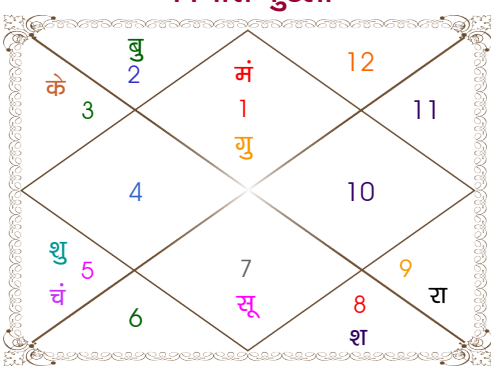

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 4 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/06/1993		04/11/2008		04/11/2014		04/11/2024		05/11/2031	
04/11/2008		04/11/2014		04/11/2024		05/11/2031		04/11/2049	
	00/00/0000	सूर्य	21/02/2009	चंद्र	05/09/2015	मंगल	02/04/2025	राहु	18/07/2034
	16/06/1993	चंद्र	23/08/2009	मंगल	05/04/2016	राहु	20/04/2026	गुरु	10/12/2036
चंद्र	04/11/1994	मंगल	29/12/2009	राहु	05/10/2017	गुरु	27/03/2027	शनि	17/10/2039
मंगल	04/01/1996	राहु	23/11/2010	गुरु	04/02/2019	शनि	05/05/2028	बुध	06/05/2042
राहु	04/01/1999	गुरु	11/09/2011	शनि	04/09/2020	बुध	02/05/2029	केतु	24/05/2043
गुरु	04/09/2001	शनि	23/08/2012	बुध	03/02/2022	केतु	29/09/2029	शुक्र	24/05/2046
शनि	04/11/2004	बुध	29/06/2013	केतु	04/09/2022	शुक्र	29/11/2030	सूर्य	18/04/2047
बुध	05/09/2007	केतु	04/11/2013	शुक्र	05/05/2024	सूर्य	05/04/2031	चंद्र	17/10/2048
केतु	04/11/2008	शुक्र	04/11/2014	सूर्य	04/11/2024	चंद्र	05/11/2031	मंगल	04/11/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/11/2049		04/11/2065		04/11/2084		05/11/2101		05/11/2108	
04/11/2065		04/11/2084		05/11/2101		05/11/2108		00/00/0000	
गुरु	23/12/2051	शनि	07/11/2068	बुध	02/04/2087	केतु	03/04/2102	शुक्र	06/03/2112
शनि	06/07/2054	बुध	18/07/2071	केतु	30/03/2088	शुक्र	03/06/2103	सूर्य	07/03/2113
बुध	10/10/2056	केतु	26/08/2072	शुक्र	29/01/2091	सूर्य	09/10/2103	चंद्र	17/06/2113
केतु	16/09/2057	शुक्र	26/10/2075	सूर्य	05/12/2091	चंद्र	09/05/2104		00/00/0000
शुक्र	17/05/2060	सूर्य	07/10/2076	चंद्र	05/05/2093	मंगल	05/10/2104		00/00/0000
सूर्य	06/03/2061	चंद्र	09/05/2078	मंगल	03/05/2094	राहु	24/10/2105		00/00/0000
चंद्र	06/07/2062	मंगल	18/06/2079	राहु	19/11/2096	गुरु	30/09/2106		00/00/0000
मंगल	11/06/2063	राहु	23/04/2082	गुरु	25/02/2099	शनि	09/11/2107		00/00/0000
राहु	04/11/2065	गुरु	04/11/2084	शनि	05/11/2101	बुध	05/11/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।